साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 35 | जौनपुर, शनिवार, 21 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

विश्वकर्मा योजना भारत के कौशल को जीवित रखने का रोडमैप - मोदी

मुंबई, एजेंसी। पीएम नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के वर्धा में राष्ट्रीय पीएम विश्वकर्मा कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने योजना के लाभार्थियों से मुलाकात की। मोदी ने इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार की आचार्य चाणक्य कौशल विकास केंद्र योजना की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन 1932 में महात्मा गांधी ने छुआछूत के खिलाफ अभियान शुरू किया था। विश्वकर्मा योजना के एक वर्ष पूरा होने का यह उत्सव हमारे विकसित भारत के संकल्पों को नई ऊर्जा देगा। मोदी ने आगे कहा कि मैं इस अवसर पर विश्वकर्मा योजना से जुड़े सभी लोगों, देशभर के सभी लाभार्थियों को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क का भी शिलान्यास किया गया है। आज का भारत अपने कपड़ा उद्योग को वैश्विक बाजार में शीर्ष पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। देश का लक्ष्य भारत के कपड़ा क्षेत्र के हजारों साल पुराने गौरव को फिर से स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि आज अमरावती में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला भी रखी गई है। आज का भारत अपनी टेक्सटाइल इंडस्ट्री को वैश्विक बाजार में टॉप पर ले जाने के लिए काम कर रहा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश का लक्ष्य है – भारत की टेक्सटाइल सेक्टर के हजारों वर्ष पुराने गौरव को पुनर्स्थापित करना। अमरावती का श्पीएम मित्र पार्कश इसी दिशा में एक और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा योजना की एक और विशेषता है। जिस स्केल पर, जिस बड़े पैमाने पर इस योजना के लिए अलग अलग विभाग एकजुट हुए हैं, ये भी अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि देश के 700 से ज्यादा जिलें, 2.5 लाख से ज्यादा ग्राम पंचायत, 5 हजार शहरी स्थानीय निकाय मिलकर इस अभियान को गति दे रहे हैं। मोदी ने कहा कि एक साल में ही 18 अलग–अलग पेशों के 20 लाख से ज्यादा लोगों को इस योजना से जोड़ा गया। सिर्फ साल भर में ही 8 लाख से ज्यादा शिल्पकारों और कारीगरों को कौशल प्रशिक्षण मिल चुकी है। अकेले महाराष्ट्र में ही 60 हजार से ज्यादा लोगों को प्रशिक्षण मिली है। उन्होंने कहा कि अब तक 6.5 लाख से ज्यादा विश्वकर्मा बंधुओं को आधुनिक उपकरण भी उपलब्धा कराए गए हैं। इससे उनके उत्पादों की क्वालिटी बेहतर हुई है, उनकी उत्पादकता बढ़ी है। इतना ही नहीं, हर लाभार्थी को 15 हजार रुपये का ई–वाउचर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए बिना गारंटी के 3 लाख रुपये तक लोन भी मिल रहा है। मुझे खुशी है कि एक साल के भीतर विश्वकर्मा भाई–बहनों को 1,400 करोड़ रुपये का लोन दिया गया है।

2026 तक देश से होगा नक्सलवाद का सफाया - शाह

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि सरकार ने मार्च 2026 से पहले देश से नक्सलवाद और नक्सलवाद के विचार को उखाड़ फेंकने का फैसला किया है। शाह ने नई दिल्ली में अपने आवास पर छत्तीसगढ़ के लगभग 55 नक्सली हिंसा पीड़ितों के साथ बातचीत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि बस्तर के 4 जिलों को छोड़कर पूरे देश में नक्सलवाद को खत्म करने में केंद्र सरकार सफल रही है। शाह ने नक्सलियों से हिंसा छोड़ने, हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने की भी अपील की। गृह मंत्री ने कहा कि अगर नक्सली हिंसा छोड़ने की उनकी अपील नहीं सुनेंगे तो सरकार जल्द ही उनके खिलाफ चौतरफा अभियान चलाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम नक्सलवाद को खध्त्म करेंगे। मैं (नक्सलियों) से अपील करता हूं कि वे कानून के सामने आत्मसमर्पण कर दें, अपने हथियार छोड़ दें। उत्तर–पूर्व और कश्मीर में कई जगहों पर कई लोग हथियार छोड़कर मुख्य धारा में शामिल हो गए हैं। मुख्य धारा में शामिल होने के लिए आपका भी स्वागत है लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम इसके खिलाफ अभियान चलाएंगे और इसमें सफलता भी मिलेगी। सुरक्षा बलों ने माओवादियों के खिलाफ अपने अभियानों में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश का अगला विधानसभा चुनाव लड़ेगी लोक जनशक्ति पार्टी

बिहार, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी–राम विलास (लोजपा–आरवी) 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ेगी। लोजपा की राज्य सह–प्रभारी और सांसद शांभवी चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा, ''लोक जनशक्ति पार्टी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के नाम तय करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, ''हमने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी नेता चिराग पासवान बिहार की ही तरह उत्तर प्रदेश में भी राजनीतिक भूमिका निभाना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य राज्य में पार्टी को एक नई पहचान देना है। हम किसी पार्टी को तोड़ने के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान बनाने और लोगों से जुड़ने के लिए यहां आए हैं। चौधरी ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में कार्यकर्ताओं का मजबूत आधार तैयार करेगी और राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगी। उनके अनुसार पार्टी राज्य में युवाओं को जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान चलाएगी।

हरियाणा में केजरीवाल ने शुरू किया चुनावी प्रचार

हरियाणा, एजेंसी। आम आदमी पार्टी हरियाणा चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। इसी बीच आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने यमुनानगर के जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में रोड शो के साथ हरियाणा में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की। यह 11 जिलों में 13 निर्धारित रैलियों में से पहली थी। आपको बता दें कि केजरीवाल की पार्टी आगामी राज्य चुनाव में सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। आज केजरी वाल ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में कोई भी सरकार आप के बिना नहीं बनेगी। केजरीवाल ने कहा कि मैं यहां खेड़ा मंदिर में हूं... मुझसे कहा गया है कि अगर मैं किसी मंदिर में जाऊंगा तो यह आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होगा। इसलिए, मैं यहां फिर से प्रार्थना करने आऊंगा। उन्होंने दावा किया कि हरियाणा बदलाव मांग रहा है।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, मांगी मदद

कोलकाता, एजेसी। मैथन और पंचेत बांधों के पानी से पश्चिम बंगाल में बाढ़ आने के बाद ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में बाढ़ के हालात से अवगत कराया और केंद्रीय कोष को मंजूरी देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य एकतरफा पानी छोड़ने और तबाही मचाने के लिए दामोदर घाटी निगम के साथ सभी संबंध तोड़ देगा। ममता ने पत्र में लिखा कि राज्य अब 2009 के बाद से निचले दामोदर और आसपास के क्षेत्रों में सबसे बड़ी बाढ़ का सामना कर रहा है। उन्होंने दावा किया 1000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र प्रभावित है और राज्य के लगभग 50 लाख लोग फसलों के नुकसान, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और घरों, मवेशियों सहित निजी संपत्तियों को नुकसान के कारण दुखों के भंवर में फंस गए हैं। बनर्जी ने कहा कि हाल के दिनों में मैथन और पंचेत बांधों की संयुक्त प्रणाली से लगभग 5 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। उन्होंने इस स्थिति के लिए दामोदर घाटी निगम प्रणाली द्वारा पानी के अनियोजित और असंगठित छोड़े जाने को जिम्मेदार ठहराया। ममता ने यह भी लिखा कि मैं ईमानदारी से अनुरोध करती हूं कि आप इस मामले पर गंभीरता से विचार करें और संबंधित मंत्रालयों को इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में संबोधित करने का निर्देश दें।

सेकेंडरी एग्रीकल्चर को प्रोत्साहित करने से सशक्त होंगे देश के किसान - राष्ट्रपति

रांची, एजेंसी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश के किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण के लिए सेकेंडरी एग्रीकल्चर की गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को रांची के नामकुम स्थित 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी एग्रीकल्चर' (निसा) की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुईं। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र में सुधार एवं विकास और किसानों की सहायता के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। कृषि आधारित उद्योगों के विकास, एफपीओ और पैक्स जैसे संगठनों के विस्तार, दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना पर काम, प्राकृतिक खेती के विकास और सप्लाई चेन को सशक्त करने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है। राष्ट्रपति ने कहा कि किसानों को और सशक्त बनाने के लिए मध्ुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, कृषि पर्यटन सहित अन्य सेकेंडरी एग्रीकल्चर को बढ़ावा देने की जरूरत है। 21वीं सदी में हमारे देश में कृषि क्षेत्र में तीन बड़ी चुनौतियां क्रमशः खाद्य पोषण एवं संरक्षण को बनाए रखना, संसाधनों का सस्टेनेबल इस्तेमाल सुनिश्चित करना और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कदम उठाना हैं। इन चुनौतियों का सामना करने में सेकेंडरी एग्रीकल्चर काफी मददगार साबित हो सकता है। किसानों को प्राथमिक खेती के साथ–साथ मध्ुमक्खी पालन, मुर्गी पालन, कृषि पर्यटन जैसी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाए तो उन्हें अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए गांव से बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी।

राष्ट्रपति ने रांची स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी एग्रीकल्चर के 100 वर्षों की यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस संस्थान ने लाह फार्मिंग, वैज्ञानिक तरीके से इसके उत्पादन और प्रसंस्करण में सराहनीय कार्य किया है। उन्हें झारखंड का राज्यपाल रहते हुए भी इस संस्थान में आने का मौका मिला था और उन्होंने पाया था कि इसने किसानों को प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया है। देश में लाह का 55 प्रतिशत उत्पादन झारखंड में होता है और इससे सबसे ज्यादा जनजातीय समुदाय के किसान जुड़े हैं। यह संस्थान उनका जीवन स्तर सुधारने में मददगार बना है। उन्होंने कहा कि आज फार्मास्यूटिकल्स एवं कॉस्मेटिक्स उद्योग में उच्च गुणवत्ता वाले लाह की मांग है। उन्हें उम्मीद है कि यह संस्थान इस दिशा में काम करेगा। इससे लाह उत्पादन करने वाले किसानों की आय में वृद्धि होगी। राष्ट्रपति ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सेकेंडरी एग्रीकल्चर के अधिकारियों और वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे ऐसी तकनीक को विकसित करने की दिशा में काम करें, जिससे किसान अपनी सब्जियों को ज्यादा से ज्यादा समय तक संरक्षित और ताजा रख सकें। राष्ट्रपति ने झारखंड से अपने संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पवित्र धरती झारखंड आना मेरे लिए तीर्थ यात्रा के समान है।

भाजपा की सरकार आई तो यूपी जैसे दिल्ली में महंगी होगी बिजली - आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी की नेता और दिल्ली की भावी मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को केंद्र और भाजपा की अन्य राज्यों की सरकारों पर हमला बोला। आतिशी ने कहा कि अगर इस बार चुनाव में फिर से अरविंद केजरीवाल को नहीं जिताया तो दिल्ली वालों का हाल बिजली के बिल और कटौती में उत्तर प्रदेश और बीजेपी की अन्य राज्यों की सरकारों जैसा हो जाएगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने बिजली के कनेक्शन के दाम ढाई सौ गुना बढ़ा दिए हैं। उत्तर प्रदेश में गरीब परिवार जो 1 किलो वाट के छोटे–छोटे कनेक्शन लेते हैं, पहले वो मात्र 1200 रुपए देते थे। उसको बढ़कर अब 3000 कर दिया है। यानि ढाई सौ परसेंट की वृद्धि। अगर किसी का 5 किलो वाट का बिजली का कनेक्शन है, जो दिल्ली में रहने वाले आम मिडिल क्लास लोगों के लिए एक सामान्य बात है। उस 5

किलो वाट बिजली के कनेक्शन के दाम को यूपी सरकार ने 118 परसेंट बढ़ा दिया है। इसे 7967 से 17365 रुपए कर दिया है। यानि 118 परसेंट की वृद्धि। आतिशी ने आरोप लगाया है कि यूपी सरकार ने इस साल गर्मी के मौसम में उसके सबसे हाईटेक शहर ग्रेटर नोएडा में, नोएडा में, गाजियाबाद में और साहिबाबाद में लंबे–लंबे पावर कट और सबसे महंगी बिजली दी है। यही कारण है कि दिल्ली वालों के लिए बहुत जरूरी है कि वह फिर से अरविंद केजरीवाल को चुनकर लेकर आएं और उन्हें फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाएं। आतिशी ने कहा है कि अरविंद का मॉडल 24 घंटे और सबसे सस्ती बिजली है। इस साल दिल्ली में 19 जून को 8400 मेगावाट की पीक डिमांड पर भी दिल्ली में लोड शेडिंग नहीं हुई। दिल्ली में पावर कट नहीं लगा। आम आदमी पार्टी की सरकार 24 घंटे बिजली देती है और सबसे सस्ती बिजली देती है। दिल्ली में 37 लाख ऐसे उपभोक्ता हैं जिनका बिजली का बिल जीरो आता है। 15 लाख ऐसे परिवार हैं जिनको बिजली के बिल आधे दाम पर मिलते हैं। आतिशी ने कहा कि यदि बीजेपी शासित अन्य राज्यों से तुलना की जाए।

सीएम नीतीश कुमार ने बिहार पर ध्यान देना छोड़ दिया – तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार में विपक्ष के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर स्थापित लोकतांत्रिक मर्यादाओं, परंपराओं और मूल्यों का ह्रास करने का आरोप लगाते हुए तंज कसा। तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, बिहार में प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं। दलितों के घर जलाए जा रहे हैं। लूट, अपहरण और फिरौती की घटनाएं हो रही हैं। बच्चियों और महिलाओं के साथ दुष्कर्म हो रहे हैं। कानून व्यवस्था बदहाल है, अपराधी बेलगाम हैं। थाना व ब्लॉक में व्याप्त भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। पुलिस शराबबंदी के नाम पर धन शोधन में व्यस्त है। लेकिन, इन सब ज्वलंत मुद्दों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मौन हैं, निष्क्रिय हैं। चंद अधिकारी केवल उन्हें अर्धनिर्मित एवं निर्माणाधीन योजनाओं के निरीक्षण, उद्घाटन और शिलान्यास के लिए लेकर जाते है ताकि यह लगे की सब ठीक है। अगर सब सही है तो फिर मुख्यमंत्री मीडिया और जनता से संवाद क्यों नहीं करते? तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री जिस क्षेत्र और जिले में जाते हैं तो वहां के स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित क्यों नहीं किया जाता? विभागीय मंत्री साथ क्यों नहीं होते? सीएम स्थापित लोकतांत्रिक मर्यादाओं, परंपराओं और मूल्यों का ह्रास कर रहे हैं। बता दें कि इसके अलावा तेजस्वी यादव ने एक्स पर एक और पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, पीएम मोदी और नीतीश कुमार ने बिहार को गुंडों को सौंप दिया है। कोर्ट से गवाही देकर लौट रहे तीन लोगों को गोली मार दी, पहले भी इन्हें गोली मारी थी। इससे अंदाजा लगाइए बीजेपी–जेडीयू ने बिहार में कानून–व्यवस्था की क्या दुर्गति कर दी है? उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार पिछले एक महीने से लगातार विभिन्न जिलों में पहुंच रहे हैं और विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं। इधर, तेजस्वी यादव भी लगातार सरकार को विभिन्न मुद्दों को लेकर घेर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने दो दिन पहले नवादा में दलित समाज के लोगों के घर जलाए जाने को लेकर भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है।

100 दिन की उपलब्धियों का लेखा–जोखा नड्डा ने पेश किया

नई दिल्ली, एजेसी। जेपी नड्डा ने केंद्र सरकार के 100 दिन की उपलब्धियों का लेखा–जोखा पेश किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्य करने, जवाबदेही और अंतिम छोर तक आपूर्ति की राजनीति लाए। उन्होंने कहा कि विस्तारित एबी–पीएमजेएवाई में 70 साल और उससे अधिक आयु के सभी लोग शामिल होंगे, चाहे वे किसी भी सामाजिक–आर्थिक वर्ग से आते हों। उन्होंने दावा किया कि एबी– पीएमजेएवाई का विस्तारित चरण अक्टूबर में शुरू होगा और करीब साढ़े चार करोड़ परिवारों में लगभग छह करोड़ लोग इससे लाभान्वित होंगे। नड्डा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। कई बार सत्ता में रहने वाले राजनीतिक दलों ने समाज को विभाजित किया और वोट बैंक की राजनीति जारी रखी। लेकिन अब, मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, समय बिल्कुल बदल गया है! उन्होंने कहा कि जब से प्रधान मंत्री मोदी जी सत्ता में आए हैं, हमारा देश प्रदर्शन की राजनीति, जवाब देही की राजनीति, वितरण की राजनीति और अंतिम–मील वितरण की राजनीति देख रहा है।

समाचारों की विश्वसनीयता और प्रामाणिकता आज संकट में है - लोकसभा अध्यक्ष बिरला

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दावा किया है कि संसद टीवी सदन की कार्यवाही को निष्पक्षता से प्रसारित करता है। संसद टीवी जनप्रतिनिधियों की आवाज के साथ–साथ संसद और आमजन के बीच प्रभावी कनेक्ट का माध्यम है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद टेलीविजन के स्थापना दिवस पर संसद भवन परिसर में आयोजित संसद टीवी कॉन्क्लेव के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज समाचारों की विश्वस नीयता और प्रामाणिकता संकट में है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली के एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में संसद टीवी लोकतंत्र की भावना को लोगों तक पहुंचाकर इस कमी को पूरा करने में सराहनीय कार्य कर रहा है और सूचना के प्रामाणिक स्रोत के

रूप में संसद टीवी की छाप देश और विदेश में विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित कर रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उभरती प्रौद्योगिकियों और एआई के उपयोग से संसद टीवी लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को और अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करेगा। जन–जन की आवश्यक ताओं के अनुसार संसद टीवी की स्थापना की गई। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तीन वर्षीय अस्तित्व में संसद टीवी लोकतांत्रिक परंपराओं और संस्कृति के उच्च मूल्यों को प्रदर्शित करने का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है।

लोक तांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता के साथ संसद टीवी राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा दे रहा है। संसद टीवी के माध्यम से लोग संसद और लोकतांत्रिक संस्थानों के कामकाज, नीतियों और योजनाओं के कार्यान्वयन से अवगत हो रहे हैं। साथ ही संसद टीवी के माध्यम से भारतीय संस्कृति, इतिहास और वर्तमान से जुड़े सरोकार जन–जन तक पहुंच रहे हैं।

संपादकीय

दुरुपयोग की जवाबदेही

आंध्र प्रदेश में अभिनेत्री–मॉडल कादंबरी जेठवानी की गलत गिरफ्तारी के मामले में तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के निलंबन ने सत्ता के दुरुपयोग और जवाबदेही की आवश्यकता के बारे में बहस छेड़ दी है। राज्य पुलिस में उच्च पदों पर आसीन पी. सीताराम अंजनेयुलु, क्रांति राणा टाटा और विशाल गुन्नी को आंतरिक जांच के बाद निलंबित कर दिया गया, जिसमें प्रक्रियात्मक विफलताओं का खुलासा हुआ। विवाद के केंद्र में यह तथ्य है कि श्री अंजनेयुलु ने कथित तौर पर एफआईआर दर्ज होने से पहले ही सुश्री जेठवानी की गिरफ्तारी का निर्देश दिया था। एफआईआर 2 फरवरी को दर्ज की गई थी, लेकिन गिरफ्तारी के आदेश कथित तौर पर दो दिन पहले दिए गए थे – जो उचित प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लंघन है। कानूनी प्रक्रिया के प्रति यह उपेक्षा इस बात पर संदेह पैदा करती है कि कुछ अधिकारी किस तरह से अधिकार का इस्तेमाल करते हैं। अगस्त में दायर सुश्री जेठवानी की शिकायत में अधिकारियों पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता और फिल्म निर्माता केवीआर विद्यासागर के साथ साजिश रचने का आरोप लगाया गया था, जिन्होंने पहले उनके खिलाफ जालसाजी और जबरन वसूली के आरोप दर्ज किए थे। उनका दावा है कि ये आरोप राजनीति से प्रेरित थे, जिससे पहले से ही उलझी स्थिति और जटिल हो गई। यह मामला पुलिसिंग में राजनीतिक प्रभाव की गहरी समस्या को उजागर करता है। जब कानून प्रवर्तन अधिकारी राजनीतिक खेल में उलझ जाते हैं, तो इससे न्याय प्रणाली में जनता का विश्वास खत्म हो जाता है। वरिष्ठ अधिकारियों का इसमें शामिल होना इस मुद्दे की गंभीरता को और बढ़ा देता है। नायडू सरकार द्वारा अधिकारियों को निलंबित करने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन यह सवाल भी उठाता हैरू ऐसे और कितने मामले अनदेखे रह जाएंगे? संघ की चिंता या रणनीतिक विलय कदम? राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के सीएमडी अतुल भट्ट के अचानक छुट्टी पर जाने के फैसले ने व्यापक अटकलों को जन्म दिया है, जिससे बाबू हलकों में काफी चर्चा हो रही है। कुछ लोग इस घटनाक्रम को आरआईएनएल और सेल के प्रस्तावित विलय के बारे में चल रही बातचीत से जोड़ते हैं। उनका मानना घ्छै कि भट्ट का अपनी सेवानिवृत्ति से पहले जाना इस विलय के लिए रास्ता आसान बनाने के लिए है। लेकिन अभी भी कुछ लोग इस स्पष्टीकरण को लेकर संशय में हैं। विलय के लिए धैर्य और निरंतर नेतृत्व की आवश्यकता होती है, फिर भी भट्ट को नवंबर में उनकी सेवानिवृत्ति से पहले छुट्टी पर भेज दिया गया है। इससे अन्य सिद्धांतों को बल मिला है। कुछ लोग अनुमान लगाते हैं कि उनकी प्रबंधन शैली से नाखुश श्रमिक संघों की उनके जाने में भूमिका हो सकती है। अन्य संभावित खरीद मुद्दों की ओर संकेत करते हैं जो उनके जाने का कारण हो सकते हैं। अंदरूनी सूत्रों के बीच यह भी चर्चा है कि श्री भट्ट का जाना नवनियुक्त केंद्रीय इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक से असंतोष से जुड़ा हो सकता है, जो अपने सख्त रुख के लिए जाने जाते हैं। आरआईएनएल का उनका हालिया दौरा एक कारक हो सकता है। कारण चाहे जो भी हो, श्री भट्ट के अचानक जाने ने सभी उद्योगों के हितधारकों का ध्यान आकर्षित किया है। यह स्थिति सेल में हाल ही में हुई एक घटना की भी प्रतिध्वनि करती है, जहां कई शीर्ष अधिकारियों को महीनों के लिए निलंबित कर दिया गया था, केवल 2024 के आम चुनावों के बाद बहाल किया गया था जब एक नए मंत्रिस्तरीय दल ने कार्यभार संभाला था। गोविंद मोहन की नियुक्ति से एजीएमयूटी में महत्वपूर्ण फेरबदल हुआ यह अजय भल्ला की जगह गोविंद मोहन की नए केंद्रीय गृह सचिव के रूप में नियुक्ति के तुरंत बाद हुआ है, जिसने सचिव स्तर पर महत्वपूर्ण बदलावों के लिए मंच तैयार किया। हालांकि फेरबदल की उम्मीद थी, लेकिन अंदरूनी सूत्रों ने डीकेबी को बताया कि एजीएमयूटी कैडर के कई अधिकारी, खासकर अंडमान और निकोबार, पुडुचेरी, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में तीन साल से अधिक समय से तैनात अधिकारी असहज महसूस कर रहे थे। कारण? स्थानांतरण और कार्यकाल को कैसे संभाला जा रहा है, इस बारे में चिंताएं। सबसे बड़ी शिकायतों में से एक रोटेशनल ट्रांसफर के मामले में कथित तरजीही व्यवहार है। ये नीतियां संरचना और निष्पक्षता बनाने के लिए बनाई गई हैं, लेकिन अक्सर अपवाद ही सबसे ज्यादा चर्चा का कारण बनते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ अधिकारी दिल्ली पुलिस या केंद्रीय पुलिस संगठनों में पांच, सात या दस साल से भी अधिक समय तक दिल्ली में रहे हैं – जो सामान्य कार्यकाल से कहीं अधिक है। जबकि कुछ मामलों में ये लंबी पोस्टिंग नीति के भीतर हैं, कई अन्य में वे नियमों को दरकिनार करते हुए दिखाई देते हैं, जिसने आग में घी डालने का ही काम किया है। यह असंगति प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठाती है। उम्मीद है कि यह फेरबदल उन चिंताओं में से कुछ को संबोधित करेगा और अधिक न्यायसंगत और पारदर्शी दृष्टिकोण लाएगा।

महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों को आगे बढ़ाना

आदित्य

उत्तराधिकार कानून समाज के कानूनी ढांचे का एक बुनियादी पहलू है पप्पू फरिश्ता उत्तराधिकार कानून समाज के कानूनी ढांचे का एक बुनियादी पहलू है, जो परिवारों के भीतर परिसंपत्तियों और धन का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करता है। भारत में, कई अन्य देशों की तरह, ये कानून सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक परंपराओं में गहराई से समाए हुए हैं। हालांकि, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों से संबंधित संवैधानिक सिद्धांतों के साथ प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है। महिलाओं के उत्तराधिकार से संबंधित इस्लामी कानूनों के बेहतर कार्यान्वयन की आवश्यकता के बारे में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएम पीएलबी) द्वारा हाल ही में स्वीकारोक्ति एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मान्यता भारत में अधिक मानकीकृत और न्यायसंगत दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए उत्तराधिकार कानूनों को संहिताबद्ध करने के बारे में

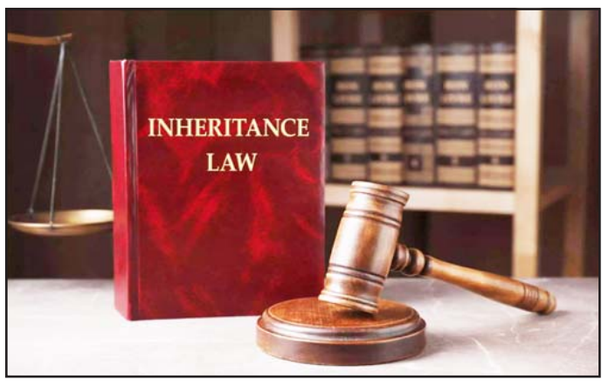

महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है। महिलाओं के उत्तराधिकार से संबंधित इस्लामी कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन में अंतराल की एआईएमपीएलबी की मान्यता एक स्वागत योग्य कदम है। यह उत्तराधिकार अधिकारों के संदर्भ में लैंगिक असमानताओं को दूर करने की आवश्यकता की बढ़ती स्वीकृति को दर्शाता है। भारत की न्याय व्यवस्था में धर्म के आधार पर व्यक्तिगत कानूनों का एक जटिल जाल है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर महिलाओं के लिए अलग–अलग उत्तराधिकार कानून बनते हैं। हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों के अपने–अपने उत्तराधिकार कानून हैं, जिसके कारण अलग–अलग प्रथाएं और व्याख्याएं होती हैं। इससे ऐसी स्थिति पैदा होती है जहां महिलाओं को, उनके धार्मिक जुड़ाव के आधार पर, उत्तराधिकार के मामलों में असमान व्यवहार का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनके आर्थिक सशक्तीकरण और समग्र प्रगति में बाधा आ सकती है। धार्मिक समुदायों में उत्तराधिकार कानूनों को संहिताबद्ध करने की प्रक्रिया उत्तराधिकार के सिद्धांतों को मानकीकृत करेगी। जिससे सभी व्यक्तियों के लिए उनके धर्म की परवाह किए बिना समान व्यवहार सुनिश्चित होगा। संहिताकरण समानता, न्याय और गैर–भेदभाव के संवैधानिक लोकाचार का पालन करते हुए विविध कानूनों को एक व्यापक कानूनी ढांचे में सुसंगत और सुव्यवस्थित कर सकता है। ऐसा कदम न केवल महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों को मजबूत करेगा बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं को भी सरल करेगा, जिससे वे आम जनता के लिए अधिक सुलभ हो जाएंगे। भारतीय संविधान अपने नागरिकों को समानता और गैर–भेदभाव के अधिकार सहित मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है। उत्तराधिकार कानूनों का संहिताकरण इन संवैधानिक प्रावध ानों के साथ संरेखित होगा, एक समान दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा और लिंग, धर्म या जाति के आधार पर भेदभावपूर्ण प्रथाओं को समाप्त करेगा। यह इस सिद्धांत को मजबूत करेगा कि कानून के सामने हर नागरिक समान है और समान सुरक्षा और लाभ का हकदार है। प्रयास उत्तराधिकार कानूनों को संहिताबद्ध करने के लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है ताकि लोगों को इस पहल के महत्व के बारे में शिक्षित किया जा सके। धार्मिक नेताओं, कानूनी विशेषज्ञों, नागरिक समाज संगठनों और नागरिकों सहित विभिन्न हित धारकों को शामिल करना, आवश्यक कानूनी सुधारों के लिए समर्थन जुटाने और आम सहमति बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। महिलाओं की विरासत से संबंधित इस्लामी कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता के बारे में ।प्डच्स्ठ की मान्यता समान नागरिक संहिता के तहत प्रस्तावित समान कानूनों के अनुरूप प्रतीत होती है। ।प्डच्स्ठ के प्रयासों को भारत में विरासत कानूनों को ध ार्मिक सीमाओं से परे संहिताबद्ध करके एक व्यावहारिक कदम में बदलना चाहिए, जो कि यूसीसी के तहत आसानी से संभव है। इससे एकरूपता, समानता और न्याय सुनिश्चित होगा, विरासत कानूनों को संवैधानिक ढांचे के साथ संरेखित किया जाएगा और सभी के लिए समानता के सिद्धांत को कायम रखा जाएगा। इस परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए सार्वजनिक भागीदारी और सूचित प्रवचन आवश्यक हैं, जो अंततः एक अधिक समावेशी और प्रगतिशील समाज को बढ़ावा देगा।

विश्व में नंबर 1 बनने के लिए बड़ा लक्ष्य

विनोद

भारत ने एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) खिताब की रक्षा के लिए जीत के साथ शुरुआत की और पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहकर असली प्रभुत्व दिखाया, मंगलवार को मेजबान चीन पर 1–0 की जीत के बाद उन्होंने अपना पांचवां खिताब जीता। पूरे टूर्नामेंट में गत चौंपियन के अजेय रहने के बावजूद, चीन के खिलाफ खिताब के निर्णायक मैच की स्कोर लाइन दर्शाती है कि यह चीन के लिए आसान नहीं था। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारत पहले तीन क्वार्टर में चीनी रक्षा को तोड़ने में विफल रही, फिर भी दृढ़ संकल्पित भारतीय टीम ने अपने विरोधियों पर बेहतर प्रदर्शन करने से पहले कड़ी मेहनत की, जिसमें डिफेंडर जुगराज सिंह द्वारा 51वें मिनट में एक दुर्लभ फील्ड गोल शामिल था।लगातार दूसरी बार एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी जीतना वास्तव में बहुत खुशी की बात है और इससे पहले 2016 और 2018 में लगातार खिताब हासिल किए थे। इस प्रकार, भारत रिकॉर्ड पांच खिताबों के साथ टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम बन गई। हालांकि, दृढ़ संकल्पित चीनी टीम के खिलाफ एकमात्र गोल विजेता, जो केवल अपने दूसरे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही थी, ने भारतीय पक्ष की तैयारियों पर एक छाया डाली जो चार दशक की पराजय के बाद पुनरुद्धार की राह पर है। इससे पहले, चीन ने किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में केवल 2006 के एशियाई खेलों में भाग लिया था, जहां वे कोरिया से 1–3 से हारने के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी के अलावा, टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत आठ स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक के साथ ओलंपिक इतिहास में सबसे सफल हॉकी टीम थी। भारत ने टोक्यो 2020 में कांस्य पदक के साथ ओलंपिक हॉकी में अपने 41 साल के लंबे पदक के सूखे को समाप्त किया और फिर पिछले महीने पेरिस ओलंपिक 2024 में खेल में अपना लगातार दूसरा पदक और कुल मिलाकर 13वां पदक हासिल किया। रिकॉर्ड आठ बार ओलंपिक चौंपियन और पांच बार एशियाई चौंपियंस ट्रॉफी विजेता होने के बावजूद, भारतीय हॉकी टीम केवल एक विश्व कप खिताब जीतने में सफल रही है। भारत की एकमात्र जीत 1975 में अजीत पाल सिंह की कप्तानी में कुआलालंपुर में पाकिस्तान के खिलाफ हुई थी। भारत ने 2–1 से जीत दर्ज की थी। दूसरी ओर, पाकिस्तान पुरुष हॉकी विश्व कप में सबसे सफल देश है, जिसने चार खिताब (1971, 1978, 1982 और 1994) जीते हैं, जबकि नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी ने तीन–तीन विश्व कप जीते हैं। भारत में एस्ट्रोटर्फ की कमी, प्रायोजकों की कमी और क्रिकेट को प्रमुखता इस खेल में गिरावट के कारणों में से एक है। खेल में विकास के एक हिस्से के रूप में फील्ड हॉकी से ऑफसाइड नियम को समाप्त करने से भारतीय हॉकी की मुश्किलें और बढ़ गईं। भारी प्रभुत्व के बावजूद, भारतीय पुरुष टीम 2003 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ की आधिकारिक हॉकी रैंकिंग शुरू होने के बाद से कभी भी दुनिया की नंबर एक टीम नहीं रही है। तब भारत छठे स्थान पर था। 2008 में भारत 80 वर्षों में पहली बार बीजिंग ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहा और उनके निराशाजनक प्रदर्शन के कारण रैंकिंग गिरकर 12वें स्थान पर आ गई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम वर्तमान में पांचवें स्थान पर है जबकि महिला टीम नौवें स्थान पर है। भारतीय हॉकी को अपने गौरवशाली अतीत पर गर्व हो सकता है, जिसने लगभग एक सदी तक इस खेल में बेजोड़ सफलता हासिल की है, लेकिन 1980 के बाद से टीम की अचानक गिरावट को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अगर भारत हॉकी में वैश्विक महाशक्ति के रूप में फिर से उभरना चाहता है, तो उसे बेहतर प्रदर्शन करने और वर्षों तक बड़ी जीत हासिल करने का लक्ष्य रखना होगा और 2026 में विश्व कप और ओलंपिक के लिए पसंदीदा के रूप में आगे बढ़ना होगा।

देश के सम्पूर्ण विकास के लिए पर्यटन के साथ–साथ प्रकृति पथ का उत्थान करें

प्रो0फे.जी0 सी0 पाण्डेय, सरस्वती सम्मान प्राप्त, पर्यावरणविद

भारत विश्व में पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है। देश एवं विदेश के लाखों सैलानी मनोरम, मनोरंजक स्थल, हिमाच्छादित गगनचुम्बी पर्वत श्रृंखलाएं, तीर्थ स्थल, फूल भरे मैदान, नीची और ऊंची घाटियां, स्वच्छ व खारे पानी की झीलें. अन्य पशु पक्षी जैव विविधता से भरे वन, नदी किनारे के खूबसूरत नजारे, सुन्दर सलोन मार्ग एवं जल प्रपात देखने को आते हैं। ईकोटूरिज्म योजना के अन्तर्गत देश में नये–नये पर्यटन स्थल विकसित किये जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में टूरिज्म के नाम पर विकास किया जा रहा है, ताकि पर्यटक घूमने फिरने और पवित्र तीर्थ स्थलों की यात्रा करने के साथ–साथ प्रकृति के विराट दर्शन करके पर्यावरण के संरक्षण में भी अपना योगदान दे सके। टूरिज्म शब्द 1983 में हेक्टर सिबेतास ला स्कुरियन ने दिया था। जिसका अर्थ लिया गया प्रकृति आधारित पर्यटन। जिसमें शामिल है प्रकृति के प्रति शिक्षा प्रबन्धन और विकास। पर्यटन एक ऐसा शब्द है कि प्रत्येक व्यक्ति सुनकर खुश होता है और इच्छा रखता है कि घर से दूर कही भी सुकून की जिन्दगी बितायें ,जिसमें बच्चे ज्यादा खुश होते हैं। इसमें स्थानीय लोगों की सुदृढ़ भागीदारी निश्चित हो और प्रकृति और पर्यटन आधारित व्यवसायों से जुडकर पर्यावरण सुरक्षा और विकास स्थानीय निवासियों की मदद से किया जा सके।

प्रकृति आधारित पर्यटन के मुख्य सरोकार इस तरह निर्धारित किये गये हैं–

1.प्रकृति एवं प्राकृतिक संसा धनों के प्रति रुझान पर्यटकों एवं स्थानीय लोगों में जागरूक पैदा करना।

2.पर्यटन स्थलों का विकास, पर्यावरण मैत्री के भाव से कंकरीट छोडकर बांस, लकड़ी, पत्थर, मिटटी से निर्माण को बढ़ावा।

3.वनस्पतियों, पक्षियों, जन्तुओं के प्रकृतिवास संरक्षण हेतु पर्यटन और पर्यावरण दोनों को एक योजना के भीतर चलाना।

4. नदियों में रीवर राफ्टिंग पहाड़ों पर्वतारोहण, झीलों में नौका विहार, वृक्ष, कुओं, जलाशयों एवं नम भूमियों में पक्षी विहार, अभ्यारणों, प्राणी उद्यानों में वन्य प्राणियों का दर्शन करके पर्यावरण सुरक्षा के लिए धनराशि जुटाना।

5. औषधीय एवं खाद्य वनस्पतियों के आधार को विकसित करके नये नये बहुमूल्य पदार्थ रचना और पर्यटकों के समक्ष ला कर जन–जन में उन्हें लोकप्रिय बनाना।

6. स्थानीय लोक कला, संस्कृति, भाषा व वेश भूषा को पर्यटक स्थलों में प्रदर्शित करके स्थानीय कलाकारों, चित्रकारों, हस्त शिल्पियों, कवियों, नाटककारों के माध्यम से पर्यावरण शिक्षा अभियान चलाना।

7. पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले वाहनों को हटाकर, सौर ऊर्जा, बायो डीजल आधारित वाहनों को बाजार में उतारना और लोकप्रिय बनाना।

8. इकोटूरिज्म गाइड के लिए ऐसे प्रतिभाशाली युवक–युवतियों जो प्रकृति से जुड़ी वैदिक परम्पराओं, लोक आस्थाओं, लोक कलाओं, इतिहास लोकोक्तियों, मुहावरों, लोक गीत, संगीत में निपुण अथवा रूचि लेते हों, उन्हें पर्यटक स्थलों के लिए प्रशिक्षण देकर इकोटूरिज्म गाइडस नियुक्त करना ताकि पर्यावरण से खिलवाड़ रोका जा सके।

9. पर्यटक स्थलों पर पर्यावरण से जुड़े बहुयाहरित दिवसों पर विशेष इकोटूरिज्म समारोहों, संगोष्ठियों, कवि सम्मेलनों और लोकगीतों का आयोजन करवाना।

10. स्थानीय भाषाओं में जैव विविधता के उपयोग व संरक्षण के प्रचार–प्रसार को बढावा देने के लिए पर्यटक स्थलों पर पेड़–पत्ती पहचान प्रतियोगिता, पेड़ परिचर्चा, वन्य फूल प्रदर्शनी, आयुर्वेद दवाईयों के घटक पौधों का वितरण आदि शामिल करना।

11. विभिन्न उत्सवों में मेला का आयोजन स्थानीय लोगों की भागीदारी से करने पर सहमति जुटाना।

12. पुलिस–पब्लिक मेले की तर्ज पर जंगल–जन मेला 21 मार्च वानिकी दिवस पर आयोजित करने की योजना लागू करने का प्रयास करना।

13.शहरों एवं गावों में जगह–जगह पर्यावरण को बचाने के लिए स्लोगन स्थापित किया जाये ताकि लोग–बाग जागरूक हों, जैसे जल ही जीवन है, वृक्ष ही जीवन है, पृथ्वी मां है, हमारा भविष्य वृक्ष पर निर्भर है।

14. इकोटूरिज्म को और लोकप्रिय बनाने की दिशा में देश के सभी प्रदेशों में मनोरम प्रकृति पथ घोषित होने चाहिये जहां सैलानी आकर प्राकृतिक सौन्दर्य का आनन्द ले सकें। शासन द्वारा सड़कों के किनारे, नदियों के किनारे, शहर के किनारे, देवालयों के पास या अन्य विशेष स्थानों पर महापुरूषों, शहीदों के नाम से या राष्ट्रीय फल, फूल, वृक्ष, जानवर, पवित्र नदियों के नाम से प्रकृति पथ बनायें ताकि उनका नाम अमर हो सके और देश भक्ति की भावना भी विकसित की जा सके। पर्यावरण बचेगा तो देश सुदृढ एवं निरन्तर प्रगति करेगा।

चुनाव में कांग्रेस के 'फ्री ऑफर' से सत्ता की चाबी

अजय

भारतीय राजनीति में मुफ्त योजनाओं का चलन पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है, और यह एक ऐसी रणनीति बन गई है जिसे राजनीतिक दल अपने चुनावी अभियानों में बड़ी चतुराई से इस्तेमाल कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मुफ्त पानी और बिजली देने का मॉडल हो या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुफ्त राशन देने का कार्यक्रम, ये सभी नीतियां राजनीतिक सफलता की कुंजी बन चुकी हैं। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी से लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन तक, सभी ने इन योजनाओं का उपयोग करके अपनी सत्ता को मजबूत किया है। अब हरियाणा में कांग्रेस ने इसी परंपरा को अपनाते हुए अपने चुनावी अभियान में एक नया मोड़ लिया है, जिससे वह पिछले दस वर्षों से सत्ता से बाहर रहने की स्थिति को बदलने का प्रयास कर रही है।

कांग्रेस ने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपने घोषणा पत्र में कई आकर्षक वादे पेश किए हैं। इनमें से प्रमुख वादा 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का है, जो सीधे अरविंद केजरीवाल के मॉडल से प्रेरित है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि कांग्रेस ने समझ लिया है कि लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली योजनाएं ही उनकी राजनीतिक जीत की कुंजी हो सकती हैं। कांग्रेस के नेता इस बार अपने वादों में आत्मविश्वास से भरे नजर आ रहे हैं, और उन्होंने इन योजनाओं को लुभावना बनाने की हर संभव कोशिश की है। महिलाओं के प्रति कांग्रेस का यह नया दृष्टिकोण भी ध्यान देने योग्य है। पार्टी ने 18 वर्ष से ऊपर की प्रत्येक महिला को प्रतिमाह 2000 रुपये देने का वादा किया है। यह योजना मध्य प्रदेश की लाडली बहना योजना से प्रेरित है, जिसने उस राज्य में चुनावी परिणामों को पलटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कांग्रेस का यह वादा महिलाओं को सीधे आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपने पक्ष में करने की एक रणनीति है। इसके अतिरिक्त, बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को भी छह हजार रुपये की पेंशन देने का प्रस्ताव रखा गया है, जो कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। किसानों को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस ने एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) को कानूनी गारंटी देने का वादा किया है। यह घोषणा किसानों के हित में महत्वपूर्ण मानी जा रही है, और इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस ने ग्रामीण समुदाय की चिंताओं को समझा है। भारतीय राजनीति में किसानों का एक अहम स्थान है, और उनकी समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करना हमेशा से राजनीतिक दलों के लिए फायदेमंद रहा है। इसके अलावा, कांग्रेस ने किसानों को तुरंत मुआवजे का आश्वासन देकर उनकी समस्याओं को तेजी से हल करने का भी वादा किया है। कांग्रेस ने तेलंगाना के मॉडल को भी अपनाने की कोशिश की है, जिसमें गैस सिलेंडर के लिए मात्र 500 रुपये देने का प्रस्ताव है। यह योजना गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, और इसके तहत 100 गज के मुफ्त प्लॉट और पक्के मकान देने का भी वादा किया गया है। यह आवास की समस्या को हल करने में मदद करेगा और नागरिकों को एक स्थायी घर प्रदान करेगा। कांग्रेस ने राजस्थान की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना को भी अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। इसके तहत गरीबों के लिए 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और उपलब्धता पर हाल के वर्षों में सवाल उठते रहे हैं, और यह योजना कांग्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण दांव साबित हो सकती है। हालांकि राजस्थान में यह योजना अपेक्षित सफलता नहीं प्राप्त कर पाई थी, लेकिन हरियाणा में इसकी लोकप्रियता को लेकर सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। कांग्रेस ने ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू करने का भी भरोसा दिया है, जो सरकारी कर्मचारियों की एक बड़ी मांग है। इस योजना से न केवल कर्मचारियों को, बल्कि उनके परिवारों को भी फायदा होगा, और इससे कांग्रेस का समर्थन बढ़ सकता है। चुनावी प्रचार में कांग्रेस ने अपनी योजनाओं को प्रभावशाली तरीके से पेश किया है, जो दर्शाता है कि वह अपने मतदाताओं को खुश करने के लिए हर संभव

प्रयास कर रही है। हालांकि, कांग्रेस के इन दावों की सफलता केवल चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुफ्त योजनाएं हमेशा कारगर नहीं होतीं। कई बार मतदाता इन योजनाओं के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों को भी ध्यान में रखते हैं। भ्रष्टाचार, प्रशासनिक विफलता और कानून–व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, हरियाणा में कांग्रेस ने चुनावी मैदान में उतरते हुए एक महत्वपूर्ण रणनीति अपनाई है। अब देखना यह है कि क्या ये मुफ्त योजनाएं वास्तव में उन्हें सत्ता में वापस लाने में मदद कर पाएंगी या नहीं। भाजपा और अन्य दलों की प्रतिक्रियाएं भी इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। अंततः, हरियाणा का चुनाव यह साबित करने के लिए एक बड़ा मंच होगा कि मुफ्त योजनाएं कितनी प्रभावी हैं और क्या वे एक राजनीतिक दल की किस्मत को बदलने में सक्षम हैं। कांग्रेस की यह कोशिश एक संकेत है कि चुनावी राजनीति में सामाजिक कल्याण की योजनाएं अब एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, और यह देखा जाना बाकी है कि क्या ये योजनाएं हरियाणा में कांग्रेस के लिए राजनीतिक सफलता की चाबी बन पाएंगी।

उद्यान विभाग द्वारा कृषक चौपाल कर विभागीय योजनाओ का प्रचार–प्रसार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उद्यान विभाग द्वारा ग्राम विशुनपुर लाला बाजार विकास खण्ड सिकरारा मे कृषक चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा को पूर्व प्रधानाचार्य राणा प्रताप द्वारा मोमेन्टो भेट कर कार्यक्रम का शुभ्भारम्भ किया गया। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा मौके पर उपस्थित कृषको को विभाग द्वारा संचालित योजनाएं यथा–पर ड्राप मोर क्राप माइक्रोइरीगशन योजनान्तर्गत कृषक सिंचाई सयन्त्र पोर्टेबल स्प्रिंकलर पर 75 प्रतिशत लघु सीमान्त सामान्य कृषक को 65 प्रतिशत एंव मिनी स्प्रिंकलर एंव ड्रिप सिंचाई पर लधु सीमान्त कृषको 90 प्रतिशत एंव सामान्य कृषको को 80 प्रतिशत अनुदान अनुमन्य है।

एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत स्ट्राबेरी, ड्रैगन फ्रूट, की खेती एंव रबी मौसम में मशाला क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत प्याज बीज एंव संकर शाकभाजी क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत सब्जी बीज'' प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर'' आनलाइन पंजीयन कराकर अभिलेखो की मूल प्रति कार्यालय में जमा कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते है, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (च्ड–ठिम) योजनान्तर्गत उद्योग लगाने हेतु 35 प्रतिशत तक का अनुदान अनुमन्य है। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा कृषको से विभागीय योजनाओ से जुडकर अपनी आय को दूगुना करने हेतु आवहन किया गया। कार्यक्रम में मौके पर कृषक राणा प्रताप, राजनाथ, राजेश, अनिल कुमार, छोटेलाल हरीराम, राजपति, राममूर्ति एंव श्री राजकुमार, सहायक उद्यान निरीक्षक जौनपुर आदि उपस्थित रहें। अन्त में वृक्षारोपण कार्यक्रम कराकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में भव्य दो दिवसीय इंजीनियर्स डे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बख्शी तालाब स्थित एसआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में आज इंजीनियर्स डे का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के छात्रों ने अपने प्रायोगिक मॉडल प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमएलसी पवन सिंह चौहान और वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह चौहान की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रथम वर्ष से लेकर चतुर्थ वर्ष तक के छात्रों ने अपने नवाचारी प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। प्रथम वर्ष के मॉडल्स का प्रस्तुतीकरण विभागीय फैकल्टीज के मार्गदर्शन में विज्ञानीक अमित सिन्हा अ जय मिश्रा के सम्मुख किया गया, जिसमें सूर्य की स्थिति के अनुसार सोलर पैनल का समायोजन, सेंसर आधारित सर्किट ऑन–ऑफ, और हाइड्रोलिक्स उपकरणों का स्वचालन प्रमुख रूप से शामिल था। इंजीनियरिंग के विभिन्न विभागों जैसे इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, एग्रीकल्चर, बायोटेक, सिविल इंजीनियरिंग, आयुष, और एमबीए के छात्रों ने भी अपने इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। इसरो के वैज्ञानिक एसके पांडे, साहू जी और डॉ. अनिरुद्ध उनियाल (रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ) ने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के स्वचालित मॉडल्स का आंकलन किया, जिनमें स्मार्ट सिटी और सोलर पैनल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया। बायोटेक विभाग में डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव (प्रिंसिपल साइंटिस्ट) ने मॉडल्स का निरीक्षण किया। कंप्यूटर साइंस विभाग में प्रो. पुनीत मिश्रा ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित छात्रों के प्रोजेक्ट्स का आंकलन किया। सिविल विभाग में डॉ. आर.के. श्रीवास्तव ने सस्पेंशन ब्रिज मॉडल का आकलन किया और छात्रों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए। मैकेनिकल विभाग में एसोसिएट डीन इनोवेशन डॉ. अनुज शर्मा ने रोबोवार और मैकेट्रॉनिक्स आधारित प्रोजेक्ट्स पर विशेष ध्यान दिया। एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग विभाग में सीडीआरआई के वैज्ञानिक कंचन गुप्ता ने मल्टीलेवल कृषि और कम लागत में अधिक उत्पादन के तरीकों पर छात्रों को उपयोगी सुझाव प्रदान किए। मुख्य अतिथि पवन सिंह चौहान ने छात्रों को करके सीखो की महत्ता को समझाते हुए चीन की इकोनॉमिक्स का उदाहरण दिया।

वाइस चेयरमैन पीयूष सिंह ने भारत के सेमीकंडक्टर निर्माण और निर्यात में अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में हो रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला और भारतीय इंजीनियरों के उज्ज्वल भविष्य की चर्चा की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कीटनाशक विक्रेताओ के दुकानों पर छापेमारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के आदेश के क्रम में 20 सितम्बर 2024 को जनपद के विभिन्न थोक एवं फुटकर कीटनाशक विक्रेताओ के प्रतिष्ठानों पर अलग–अलग टीम बनाकर आकस्मिक छापे की कार्यवाही की गयी। कार्यवाही के दौरान एक दुकानदार को कारण बताओ नोटिस एवं 21 संदिग्ध कीटनाशको के नमूने प्रतिष्ठानों से आहरित करके उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण हेतु प्रेषित किया गया। इस छापेमारी में जिला कृषि रक्षा अधिकारी विवेक कुमार द्वारा सदर एवं बदलापुर जिला कृषि अधिकारी विनय सिंह द्वारा मछलीशहर एवं मडियाहूं एवं वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप–ए राजेंद्र कुमार यादव द्वारा केराकत एवं शाहगंज तहसील में छापे की कार्यवाही की गयी साथ ही प्रतिष्ठान संचालको को चेतावनी भी दी गयी कि किसी भी प्रकार के प्रतिबन्धित कीटनाशी रसायनों का क्रय–विक्रय न करें जिससे कृषको को नुकसान पहुचें।

रेलवे स्टेशन पर शुरू हुआ फुटब्रिज का निर्माण

गोरखपुर, संवाददाता। करीब एक साल इंतजार के बाद गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर बीच वाले फुटब्रिज का निर्माण काम बृहस्पतिवार से शुरू हो गया। इसके लिए प्लेटफार्म नंबर एक पर पुराने फुटब्रिज के पास ही एरिया कवर कर फर्श तोड़ा जा रहा है। यहां बन रहा फुटब्रिज रूफ प्लाजा पर भी आवागमन सरल बनाएगा। गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर तीन फुटब्रिज हैं। जिसमें से बीच वाला फुटब्रिज करीब एक साल पहले जर्जर हो होने के चलते बंद कर दिया गया था। यात्रियों ने फुटब्रिज मरम्मत की मांग उठाई थी, लेकिन स्टेशन पर नए निर्माण का हवाला देते हुए इसे टाल दिया गया था। गोरखपुर स्टेशन 500 करोड़ की लागत से नए रूप में विकसित हो रहा है। जहां बीच वाला फुटब्रिज बना है। उसके पश्चिम तरफ प्लेटफार्म नंबर से लेकर नौ तक रूफ प्लाजा बनाया जाना है।

इस पर होटल, रेस्टोरेंट, शो रूम और सिनेमाघर होंगे। आम लोग और रेल यात्री स्टेशन के प्रवेश द्वार से सीधे इस रूफ प्लाजा तक पहुंच सकेंगे। रूफ प्लाजा से सटे ही 12 फिट चौड़ा फुटब्रिज होगा, जो सीढ़ी, एस्केलेटर और लिफ्ट से जुड़ा होगा। स्टेशन पर आए यात्री रूफ प्लाजा से प्लेटफार्म और प्लेटफार्म से रूफ प्लाजा पर आसानी से आ जा सकेंगे। करीब छह महीने में फुटब्रिज का निर्माण पूरा हो जाएगा। इससे स्टेशन पर प्लेटफार्म बदलने के लिए यात्रियों को पूर्वी और पश्चिमी छोर तक जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

डिजाइन में बदलाव के बाद मिली मंजूरी

फुटब्रिज के निर्माण में सबसे पहली बाधा लाइन नंबर 5 और 6 के बीच पिलर को लेकर थी। दोनों लाइनों के बीच जगह कम है और बीच में पिलर बनाने पर ट्रेन आवागमन के समय दिक्कत हो सकती थी। इसके बाद डिजाइन में यह बदलाव किया गया कि तीन प्लेटफार्मों के बीच इस फुटब्रिज पर कोई पिलर नहीं है। इससे नीचे ट्रेनों के निर्बाध आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी।

प्लेटफार्म पर बढ़ानी होगी सुरक्षा

फुटब्रिज निर्माण के लिए प्लेटफार्म पर जो जगह कवर की गई है, उसके बाद से यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर एक के पश्चिमी हिस्से में जाने में दिक्कत हो रही है। क्योंकि प्लेटफार्म पर बमुश्किल ही 7 फिट जगह बची होगी। ट्रेन आने के समय यात्री डिब्बे में चढ़ने के लिए प्लेटफार्म पर दौड़ लगाते हैं। ऐसे में जगह कम होने पर यात्रियों के आपस में टकराकर ट्रैक पर गिरने का खतरा बढ़ गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं नए एयरपोर्ट का शिलान्यास

गोरखपुर, संवाददाता। नंदानगर स्थित एमईएस परिसर के 42 एकड़ में प्रस्तावित नए एयरपोर्ट का लेआउट और डिजाइन तैयार करने के लिए दिल्ली से कंसलटेंट की एक टीम बृहस्पतिवार को गोरखपुर पहुंची। टीम ने यहां एयरपोर्ट निदेशक और तकनीकी अधिकारियों के साथ परिसर का जायजा लिया। एयरपोर्ट का ले–आउट तैयार कर टीम संबंधित अथॉरिटी को सौंपेगी। इसके लिए टीम को छह महीने का समय दिया गया है। वहीं नए एयरपोर्ट के शिलान्यास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं। एयरपोर्ट निदेशक आरके परासर ने बताया कि टीम ने पूरे परिसर का जायजा लिया है। अब वह लेआउट तैयार कर एयरपोर्ट अथॉरिटी को सौंपेगी।

जिसके बाद आगे की कार्रवाई शुरू होगी। 42 एकड़ के करीब 18 हजार वर्गफीट में एयरपोर्ट के भवन निर्माण होगा, बाकी एरिया में टेकऑफ, लैडिंग, पार्किंग की व्यवस्था होगी। नए एयरपोर्ट के लिए 1172 करोड़ का बजट रखा गया है। जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों रक्षा मंत्रालय ने गोरखपुर एयरपोर्ट के लिए 42. 14 एकड़ जमीन उपलब्ध कराने की अनुमति दी थी। प्रस्ताव में ए–320 प्रकार के विमानों के संचालन के लिए नया सिविल एन्क्लेव, बसेमेंट सहित 62,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल वाला नया टर्मिनल भवन, इससे जुड़ने वाले वॉकवे के साथ ही बेसमेंट और बहुस्तरीय कार पार्किंग, 3.5 मीटर शोल्डर के साथ 23 मीटर चौड़ाई के दो लिंक्ड टैक्सीवे शामिल हैं। करीब 28,000 वर्गमीटर क्षेत्र में 900 कारों और टर्मिनल भवन के बेसमेंट पार्किंग में 300 गाड़ियों को पार्क करने की व्यवस्था की जा रही है। 1172 करोड़ रुपये से एयरपोर्ट का विस्तार होना है।

रेजीडेण्ट मजिस्ट्रेट मृतक के घर पहुंचकर लिया परिजनों से बयान

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गत दिनों राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज दर्शन नगर मैं तैनात संविदाकर्मी प्रभुनाथ मिश्रा की हुई मौत के मामले में प्राचार्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को लेकर कई महीनो से चल रही जांच में रेजीडेंट मजिस्ट्रेट अयोध्या मृतक के परिजनों का बयान लेने के लिए पैतृक आवास हैदरगंज थाना स्थित बिंदा मिश्र का पूरा पछियाना पहुंचे। विगत करीब दो माह पूर्व इलाज के दौरान प्रभुनाथ मिश्रा की मौत हो गई थी। जिसमें परिजनों ने इस हुई मौत के जिम्मेदार मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ज्ञानेंद्र कुमार और दो छात्राओं के ऊपर आरोप लगाते हुए अयोध्या कोतवाली में तहरीर दिया था। लेकिन पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज नहीं किया तो विभिन्न संगठनों ने शोक संकल्प सभा तथा तिकोनिया पार्क में एकदिवसीय धरना देकर संबंधित ज्ञापन डीएम को सौपा था। तब जिला अधिकारी अयोध्या ने मजिस्ट्रेटीलिय जांच का आदेश दिया। रेजिडेंट मजिस्ट्रेट अयोध्या ने जांच की कार्रवाई शुरू कर दी तथा मेडिकल कॉलेज कर्मियों सहित उनके परिजनों के अलग–अलग बयान दर्ज कर लिए हैं। मृतक के भाई हरिकृष्ण मिश्रा ने बताया कि शनिवार को मजिस्ट्रेट उनके घर पहुंचकर मां और उनकी भाभी से बयान लिया और कहा कि एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट संबंधित अधिकारी को सौंप दी जाएगी।

40 सड़कों पर नहीं रुकेगा ट्रैफिक, अब नए सिरे से किया जाएगा विकास

प्रयागराज, संवाददाता। शहर की सड़क पर गड्ढे और जाम इन दिनों सबसे बड़ी समस्या है। ऐसे में महाकुंभ में आने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन का पूरा जोर यातायात प्रबंधन पर है। इस कवायद के तहत सड़क चौड़ीकरण, नए फ्लाईओवर का निर्माण समेत कई काम कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में 40 चौराहों को नया रूप देने की योजना बनाई गई है। इन चुनिंदा 40 चौराहों की बनावट होगी कि वाहन स्वतः आगे बढ़ते जाएंगे। यातायात नहीं रुकेगा। इतना ही नहीं, पुलिस की भी आवश्यकता नहीं होगी। कई जगहों पर तो सिग्नल लाइट की व्यवस्था भी नहीं रहेगी। इसके तहत नए रोटरी का निर्माण, चौराहों का दायरा बढ़ाने समेत कई कार्य कराए जाएंगे। गोल चौराहा के चारों तरफ आईलैंड या डिवाइडर बनाए जाएंगे, ताकि वाहन अपने मार्ग पर बिना किसी बाधा के आगे बढ़ते जाएं। जेब्रा लाइन, चौराहों से पहले स्लोप आदि भी ऐसी जगह बनाए जाएंगे जहां से सिग्नल पर स्वतरू नजर पड़ती रहे। जहां जरूरत नहीं है वहां से सिग्नल भी हटाए जाएंगे। अपर मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि चौराहे चिह्नित कर लिए गए हैं। टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो गई है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग एवं सेतु निगम चौराहों का नए सिरे से निर्माण कराएगा।

जर्मनी की संस्था के सहयोग से तीन महीने तक हुआ सर्वे

बिना बाधा यातायात के लिए शहर का सर्वे कराया गया। सर्वे जर्मनी की संस्था ट्रैक्टेबल इंडिया के सहयोग से तीन महीने तक चला था। इसी आधार पर चौराहे चिह्नित किए गए हैं, साथ ही इन चौराहों पर होने वाले बदलाव और नए कार्यों का खाका तैयार किया गया है। संस्था ने महाकुंभ की दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर एवं आसपास के चौराहों, मार्गों पर पड़ने वाले दबाव, आने वाले पांच वर्षों में कितना ट्रैफिक बढ़ जाएगा आदि पहलुओं को ध्यान में रखकर सर्वे किया है। इसके आधार पर तैयार योजना को अलग–अलग संस्थाओं के साथ साझा करने के अलावा यातायात सलाहकार समिति में भी रखा गया था। उसमें मंजूरी के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की गई।

पौधरोपण के साथ सौंदर्यीकरण

चिह्नित चौराहों और इसके चारों तरफ बनने वाले आईलैंड, डिवाइडर का सौंदर्यीकरण भी होगा। इसके तहत लाइटिंग और पौधे लगाए जाएंगे। चौराहों पर अलग–अलग तरह की आकृतियां भी बनाई जाएंगी।

इस चौराहों पर होगा कार्य

अलोपीबाग, बांगड़, जीटी जवाहर, हर्षवर्धन, लेप्रोसी, दूरदर्शन, आईईआरटी सलोरी–एक, आईईआरटी सलोरी–दो, मजार, तेलियरगंज, नैनी छिवकी, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बलुआ घाट, लल्ला चुंगी, अलोपीबाग मंदिर, फाफामऊ तिराहा, एयरपोर्ट गेट, मयूर विहार, एयरपोर्ट के पास टी प्वाइंट जंक्शन, ट्रिपलआईटी, बजरंग तिराहा, सूबेदारगंज, कालिंदीपुरम तिराहा, शुक्ला सर्किल, धूमनगंज थाना, अपट्रॉन चौराहा, गोविंदपुर, अरैल, झूंसी में काली त्रिवेणी ढाल, शुक्ला मार्केट, शिव चरणदास, रामबाग फ्लाईओवर, आर्य कन्या, कोठापार्चा, हाईकोर्ट, सोमेश्वर महादेव, डीपीएस स्कूल, अरैल रोड जीरो प्वाइंट तथा मेवालाल की बगिया।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज, संवाददाता। पुलिस चौकी इंचार्ज ने पकड़ने के लिए दौड़ाया तो युवक ने घर में जाकर फांसी लगाकर जान दे दी। एक युवती के अपहरण के मामले में वह डेढ़ माह पहले ही जमानत पर छूट कर जेल से बाहर आया था। इसके बाद पुलिस उसको फिर किसी दूसरे मामले में खोज रही थी। एक सप्ताह पहले भी पुलिस उसे थाने ले गई थी और दिन भर बैठाने के बाद छोड़ दिया था। आरोप है कि पुलिस उस पर उस युवती के साथ शादी करने का दबाव बना रही थी जिसके अपहरण के आरोप में वह जेल गया था। औद्योगिक थाना क्षेत्र के पुरापांडेय सड़वा गांव निवासी अरविंद प्रजापति (22) पुत्र महेंद्र प्रजापति ने बृहस्पतिवार को अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर जब तक उसके पास पहुंची उसकी मौत हो चुकी थी। परिजनों का आरोप है कि अरविंद काम पर से वापस आ रहा था। चौराहे के पास पुलिस ने उसे पकड़ने का प्रयास किया। इसके बाद वह भागते हुए घर पहुंचा और अपने कमरे में जाकर फंदे से झूल गया। उसके पीछे पीछे पुलिस भी घर पहुंची। पुलिस दरवाजा तोड़कर जब तक कमरे में घुसी उसका शव फंदे से लटक रहा था। एक युवती के अपहरण के आरोप में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा था। डेढ़ माह पहले वह जमानत पर रिहा होकर बाहर आया था। इसके बाद पुलिस फिर उसको पकड़ने के लिए आएदिन दबिश दे रही थी। अक्सर पुलिस उसको पकड़ने के लिए उसके घर पर पहुंचती थी। इससे वह काफी परेशान हो गया था।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस उत्पीड़न से तंग आकर उसने आत्मघाती कदम उठाया है। एसीपी करछना वरुण कुमार ने बताया कि परिजनों का आरोप गलत है। मृतक के भाई ने खुद चौकी पर आकर घटना की जानकारी दी थी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ के युवक के शव को फंदे से उतरा था। मृतक के भाई ने बताया कि वह नशे में था जिसे लेकर मां और बहन ने उसको डांटा फटकार लगाई थी।

तीन अंतर्जनपदीय चोर गिरफ्तार

मऊ, संवाददाता। मऊ शहर कोतवाली पुलिस में रेलवे स्टेशन के पास से तीन अंतर्जनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया। तीनों के कब्जे से तलाशी के दौरान कुल 28 चोरी के मोबाइल और तमंचा व कारतूस बरामद किए गए। तीनों पर पुलिस ने 50–50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। नगर कोतवाली में क्षेत्राधिकार शहर अंजनी कुमार पांडेय ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के बाद कोतवाली पुलिस गुरुवार की देर शाम 5:25 से लेकर रात 8:55 तक रेलवे स्टेशन के पास सक्रिय रही। इस दौरान पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए तीन अंतर्जनपदीय मोबाइल चोरी गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान तीनों के पास से चोरी किए गए कुल 28 मोबाइल, एक तमंचा और कारतूस भी बरामद किया गया। तीनों की पहचान झारखंड राज्य के साहिबगंज थाना क्षेत्र के महाराजपुर नया टोला तालझारी निवासी शेखर महतो, छोटू कुमार और गोलकिया महतो के रूप में हुई। तीनों ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि मोबाइल चोरी के लिए वह अपने गांव के लोगों को ट्रेनिंग देकर प्रदेश के कई शहरों में भेजते हैं। जहां से सभी लोग मलिन बस्तियों के साथ दुकानदारों व बाजार में मोबाइल चोरी का काम करते हैं। पुलिस में तीनों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाली प्रभारी अनिल सिंह, एसओजी प्रभारी प्रमोद सिंह, अनिल द्विवेदी, मनोज कुमार सिंह, अनिल पांडेय, अमरेश सिंह शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

एक तरफ गार्ड आफ आनर दूसरी तरफ लुटता रहा फौजी का घर'

सुल्तानपुर। सड़क दुर्घटना में हुए मौत का शिकार फौजी को साथी जवान गार्ड आफ आनर दे रहे थे, तो दूसरी तरफ बदमाश फौजी का घर लूटने में जुटे थे। यह खबर मिलते ही सेना के जवान के गम में डूबे परिजनों का दर्द दोगुना हो गया। वहीं इस वारदात के बाद नगर कोतवाली पुलिस एक बार फिर निशाने पर आ गयी है। मामला कोतवाली नगर क्षेत्र के गोमती बिहार कालोनी से जुड़ा है। जहां पर बल्दीराय के मथाना के मूल निवासी राजेंद्र प्रसाद पाल अपना मकान बनाये हुए हैं। जहां इनकी पत्नी व बच्चे रहते हैं। गौर तलब हैं कि कल यानि गुरुवार को राजेंद्र की सड़क हादसे में ड्यूटी के दौरान मौत हो गयी थी। जिनका शव लेकर साथी जवान आज बल्दीराय लेकर पहुंचे थे। पति की मौत की खबर पर पत्नी और बच्चे शहर से घर में तला बंद कर गांव गये थे। जिसका फायदा उठाकर बदमाशों ने ताला तोड़ जमकर लूट पाट की। परिजनों के मुताबिक लाखों के जेवरात और नकदी बदमाश उठा ले गये। फिलहाल पीड़ित परिवार की तहरीर पर नगर कोतवाली पुलिस जांच में जुटी हैं।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति के अध्यक्ष महासचिव व पदाधिकारीयों ने नगर पालिका परिषद ईओ व अन्य अधिकारियों के साथ नगर के विभिन्न मार्गो का किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आगामी 3 अक्टूबर से प्रारंभ होने जा रहे विराट मां दुर्गा पूजनोतसव की तैयारी के संबंध में नगर की टूटी सडके ,गलियों एवं साफ सफाई तथा 12 अक्टूबर को होने वाले विराट मां दुर्गा की शोभायात्रा एवं विसर्जन की सुंदर व्यवस्था के संबंध में श्री दुर्गा पूजा महा समिति के अध्यक्ष मनीष देव मंगल एवं महासचिव मनीष गुप्ता तथा महासमिति के सदस्यों के साथ अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर पवन कुमार एवं जल निगम निर्माण खंड नगरी इकाई के सहायक अभियंता एवं अवर अभियंता, ठेकेदारों के साथ नगर के विसर्जन घाट, नखास ओलन्दगंज मैहर मंदिर रोड, ईदगाह से नईगंज रोड, पॉलिटेक्निक से रूहट्टा ओलन्दगंज, चहारसू ,कोतवाली शकरमण्डी होते हुए कुतुपुर तक। साथ मे पान दरीबा किला से मानिक चौक होते हुए सिपाह तक। कोतवाली से भंडारी, कचहरी रोड आदि विभिन्न मार्गो का भ्रमण कर मां दुर्गा पूजा प्रारंभ होने से पूर्व जर्जर सड़को की मरम्मत कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया। इसी संदर्भ में बताया गया कि नगर की जर्जर सड़को के मरम्मत का कार्य प्रारंभ हो चुका है जो नवरात्रि से बहुत पहले पूर्ण कर लिया जाएगा।

रेसलर रिंकू ने काशी विश्वनाथ और बाबा काल भैरव का लिया आशीर्वाद

वाराणसी, संवाददाता। डब्ल्यूडब्ल्यूई के मशहूर रेसलर रिंकू सिंह मिलियन डॉलर आर्म शुक्रवार को महादेव की नगरी काशी पहुंचे। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम और काशी के कोतवाल बाबा काल भैरव के दरबार में मत्था टेका। मंदिर में पहुंचकर उन्होंने विधि– विधान से दर्शन पूजन किया। बाबा काल भैरव के सामने नतमस्तक होते हुए रिंकू ने अपनी आगामी सफलताओं और जीवन में शांति की प्रार्थना की। दर्शन पूजन के बाद मंदिर से बाहर निकले रिंकू सिंह ने कहा कि बाबा के दरबार में आकर मुझे हमेशा ऊर्जा और शांति मिलती है। रिंकू सिंह ने कहा कि वह डब्ल्यूडब्ल्यूई में होने वाली रेसलिंग फाइट में विजय प्राप्त करने के लिए बाबा काल भैरव का आशीर्वाद लेने आए हैं। दर्शन के बाद रिंकू सिंह शहर की ओर रवाना हो गए। उन्हनों दादी की कचौड़ी और पहलवान की लस्सी का भी स्वाद चखा।

बीएचयू में करेंगे संगोष्ठी का उद्घाटन

वाराणसी, संवाददाता। आईएमएस बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के काय चिकित्सा विभाग की ओर से 21–22 सितंबर को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। 21 सितंबर को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद संगोष्ठी का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पूर्व राष्ट्रपति शुक्रवार की शाम को ही बीएचयू पहुंच जाएंगे। संकाय के धनवंतरि भवन में काय चिकित्सा विभाग और गौ सेवा विज्ञान अनुसंधान केंद्र, भारतीय गोवंश रक्षण संवर्धन परिषद के तत्वावधान में संगोष्ठी होगी। काय चिकित्सा विभाग के प्रो. ओमप्रकाश सिंह की देखरेख में 'स्वदेशी गाय, जैविक खेती और पंचगव्य चिकित्सा' विषयक संगोष्ठी में देश भर के आयुर्वेदाचार्य शामिल होंगे।

दूसरी और तीसरी लाइनों का निर्माण कार्य समय से पूरा हो – जीएम

गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे की जीएम सौम्या माथुर की अध्यक्षता में महाप्रबंधक सभाकक्ष में बृहस्पतिवार को एनईआर में चल रही दोहरीकरण, तीसरी लाइन निर्माण, आमान परिवर्तन एवं नई रेल लाइन निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। जीएम ने सभी निर्माण कार्य समय से पूरा करने का निर्देश दिया।

जीएम को बताया गया कि गोंडा–बुढ़वल तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के तहत गोंडा कचहरी–करनैलगंज का कार्य पूरा हो गया है। शेष कार्य समय से पूरा कराया जा रहा है। डोमिनगढ़–गोरखपुर कैंट के तीसरी लाइन का निर्माण तेजी से हो रहा है। जीएम ने परियोजनाओं के समय से पूरा होने से परिचालनिक सुगमता बढ़ने की बात कहते हुए बइराइच–नानपारा–नेपालगंज खंड के आमान परिवर्तन को भी निर्धारित समयावधि में पूरा करने का निर्देश दिया। भटनी–औड़िहार दोहरीकरण, झूसी–प्रयागराज रामबाग–प्रयागराज जंक्शन खंड का दोहरीकरण, आनंद नगर–घुघली वाया महाराजगंज, सहजनवा–दोहरीघाट व बहराइच–खलीलाबाद नई लाइन निर्माण परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य तेजी से पूरा कराने का निर्देश दिया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के 67 लाभार्थियों को खाते में भेजी गई पहली किस्त - परियोजना निदेशक

अयोध्या। प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित 67 लाभार्थियों के खातों में शासन द्वारा पहली किस्त 40000 हजार रुपये भेजी जा चुकी है। शेष बचे हुये इस योजना से लाभान्वित पात्रों के खातों में रुपया शीघ्र ही भेज दिया जायेगा। यह बातें परियोजना निदेशक गिरीश कुमार पाठक ने बताई।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही अति महत्वाकांक्षी योजना में शामिल इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्रों को मिले। इसके लिए विभाग द्वारा बीओ बीच में इसका प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की पहली किस्त सबसे अधिक अमानीगंज विकास खण्ड से 36 लाभार्थियों के खातों में गयी है। उसके बाद मया बाजार विकास खण्ड मे 7, बीकापुर व तारुन विकास खण्ड में 6–6, रुदौली विकास खण्ड में में 5,मवई विकास खण्ड में 3 और मसौधा व सोहावल विकास खण्ड में 2–2 लाभार्थियों के खातों में पहली किस्त गई है।जबकि पूरा बाजार, मिल्कीपुर व हरिगटंगज विकास खण्ड में कोई भी पात्र प्रधानमंत्री आवास योजना से चयनित नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि जो भी लाभार्थी इस योजना से लाभान्वित हो रहा है उसे शासन द्वारा जारी की जा रही किस्त उनके खातों में जरुर भेजी जायेगी।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के निर्देश पर जनपद जौनपुर के प्रेक्षागृह में जनपद के अग्रणी बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा क्रेडिट कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें जनपद जौनपुर के सभी बैंकों द्वारा सहभागिता किया गया साथ ही प्रेक्षागृह सभागार में इस मेगा क्रेडिट कैम्प कार्यक्रम संपन्न किया गया जिसमें अग्रणी बैंक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ जनपद के सभी बैंकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस मेगा क्रेडिट कैम्प में कुल 3725 खातों में 102.79 करोड़ का ऋण वितरण मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के उपमहाप्रबंधक रोहित जिनिवाल, उपायुक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ओ.पी., यादव, यूनियन बैंक के क्षेत्र प्रमुख शैलेन्द्र कुमार, अग्रणी जिला प्रबंधक शकर चन्द्र सामंत, क्षेत्र प्रमुख बडौदा यू. पी. बैंक, क्षेत्र प्रमुख स्टेट बैंक सहित जनपद के सभी क्षेत्रों से स्वयं सहायता समूह की महिलाएं एवं ऋण का लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थी उपस्थित रहे।

सिख समुदाय पर राहुल गांधी का बयान नेता प्रतिपक्ष जैसे पद पर बैठे नेता को शोभा नहीं देता - सरदार जसविंदर सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुररू लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए ब्यान की भाजपा नेता सरदार जसविंदर सिंह के नेतृत्व मे ओलंदगंज मे सिक्ख समुदाय के लोगो ने राहुल गाँधी का पुतला फुका और कड़े शब्दों में निंदा की। सरदार जसविन्दर ने कहा कि राहुल गांधी का यह ब्यान सिर्फ सिख समुदाय ही नहीं बल्कि सभी अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ है। राहुल गांधी का यह ब्यान अति निंदनीय है और विपक्ष के पद की गरिमा के बिल्कुल विपरीत है। नेता प्रतिपक्ष जैसे पद पर बैठे ऐसे नेता को यह शोभा नहीं देता। राहुल गांधी जैसे नेता को देश के बाहर जाकर ऐसा कहने से पूर्व सिख इतिहास को पढ़ने की सख्त जरूरत है। सिख समुदाय ने हमेशा राष्ट्रहित और धर्म के लिए कुर्बानियां दी हैं और नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी की कुर्बानी अपने आप मे बेमिसाल है। ऐसा ब्यान देने से पहले राहुल गांधी क्या 1984 को भूल गए ? उनके इस ब्यान में देश विरोधी ताकतों की साजिश की बू साफ दिखाई पड़ रही है अपने इस ब्यान के लिए राहुल गांधी को सिख समुदाय के साथ साथ पूरे भारत देश से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे हैं। वह लगातार हार से पूरी तरह से निराश हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आंतरिक मुद्दों को विदेशी धरती पर उठाने की क्या जरूरत है। उन्होंने कहा कि विदेश जाकर अपनी कमियों को उजागर क्यों करें? देश के अंदर तो ऐसी नादानी बर्दाश्त की जा सकती है, लेकिन इसे बाहर जाकर इतना उजागर करने का क्या मतलब है? उक्त अवसर पर सरदार सतवंत सिंह, सरदार हरचरण सिंह, सरदार मनदीप सिंह, सरदार नवनीत सिंह, सरदार गुरमीत सिंह, सरदार रणदीप सिंह, सरदार हरभजन सिंह, सरदार काकू सिंह, सरदार सोनू सिंह, दिव्याशु सिंह अंशुमान सिंह गोल्डी शशांक सिंह, सरदार पिनो सिंह, सरदार अमन सिंह, सरदार शुभविंदर सिंह, सरदार सतनाम सिंह मेराज हैदर आदि उपस्थित रहे।

24 को एन0डी0 कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित होगी जन कल्याणकारी शिविर एवं प्रदर्शनी – डीएम

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। 24 को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के शासकीय योजनाओं में पिछड़ा वर्ग एवं दिव्यांगजनों के अधिक से अधिक समावेशन के उद्देश्य से नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज मिल्कीपुर के सभागार में एक विशेष कार्यक्रम/शिविर कैम्प का आयोजन किया जायेगा। इस बात की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नरेन्द्र कश्यप राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यागंजन सशक्तीकरण विभाग उत्तर प्रदेश रहेंगे। कार्यक्रम के सयोजक राम चन्द्र प्रधान, एम0एल0सी0ध्प्रदेश महामंत्री, ओ0बी0सी0 मोर्चा तथा शिवनायक वर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष, अवध क्षेत्र ओ0बी0सी0 मोर्चा है।उन्होंने बताया कि उप निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को कार्यक्रम प्रभारी,मुख्य चिकित्साधिकारी को एम्बुलेंस, चिकित्सा हेल्पडेस्क एवं दिव्यांगजनों के चिन्हांकन/रजिस्ट्रिशेन की व्यवस्था, जिला पंचायत राज अधिकारी को साफ सफाई व्यवस्था हेतु दिनांक 23 एवं 24 सितम्बर 2024 को 20 सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी एवं एक सहायक विकास अधिकारी पंचायत को नोडल नामित करने हेतु, अधिशाषी अभियन्ता नगर पंचायत कुमारगंज को पेयजल व्यवस्था एवं मोबाइल टायलेट हेतु, मुख्य अग्नि शमन अधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर फायर सेफ्टी हेतु, खण्ड विकास अधिकारी मिल्कीपुर /अमानीगंज/हरिग्टनगंज को पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के चिन्हित लाभार्थियों को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षित लाने एवं वापस ले जाने हेतु आवश्यक व्यवस्था के लिए, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी/जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी को उक्त कार्यक्रम/शिविर के सफल आयोजन हेतु सम्बंधित अधिकारियों/कर्मचारियों से समन्वय एवं सहयोग करेंगे।

कोतवाली नगर पुलिस ने आटो लिफ्टर को गिरफ्तार कर किया पांच बाइक बरामद

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने एक आटो लिफ्टर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की 5 बाइक को बरामद किया।सीओ सिटी कार्यालय पर पत्रकार वार्ता करते हुए सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि इधर शहर काफी दिनों से आटो लिफ्टर सक्रिय हो चुके थे।जिस पर अंकुश लगाने के लिए एसएसपी राज करन नय्यर के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक अश्विनी पाण्डेय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था।उन्होंने बताया कि शुक्रवार को वाहन चेकिंग के दौरान कोतवाली नगर क्षेत्र के लिए जीआईसी तिराहा से एक आटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया। उन्होंने गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान विशाल श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय उदय भान श्रीवास्तव निवासी हैदराबाद भिउरा थाना अहिरौली जिला अम्बेडकर नगर के रुप में किया। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से एक हीरो सुपर स्पेलंडर, तीन प्लेटिना,व एक होंडासाइन बाइक बरामद किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार करने वाले टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक अश्विनी पाण्डेय के अलावा उप निरीक्षक बब्लू जायसवाल, अनुराग पाठक, हरिकेश बहादुर सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

राजकीय हाई स्कूल हलवापुर का हुआ निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्राथमिक, जूनियर तथा माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में में पठन–पाठन के साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालित होते रहने के लिये समय–समय पर उनका स्थलीय व भौतिक सत्यापन किया जाता है। इसी कड़ी में काकोरी लखनऊ स्थित राजकीय हाई स्कूल, हलवापुर का निरीक्षण किया गया।

जिला समन्यवक माध्यमिक शिक्षा सन्ताष मिश्रा ने विद्यालय का पूरा निरीक्षण किया। उन्होने विद्यालय अभिलेखों के साथ कम्प्यूटर, खेल पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया। साथ ही चल रही कक्षाओं में बच्चों से विषय संबंधित प्रश्न पूछे। बच्चों के द्वारा सही जबाब देने पर पढ़ाई के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। वही निरीक्षक संताष मिश्रा ने विद्यालय के बाहर दीवारों पर लगे कुछ पोस्टरों को हटाने को कहा जिसे प्रधानाचार्या ने तुरन्त हटवा देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या सुषमा सिंह, खेल अध्यापक वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य अध्यापक व अध्यापिकायें उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा समिति प्रतिनिधि मंडल नें एसडीएम से की मुलाकात

सुल्तानपुर। दुर्गा पूजा महोत्सव की अनेकों समस्या को लेकर केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति का प्रतिनिधि मंडल बल्दीराय एसडीएम से मिला, बल्दीराय तहसील क्षेत्र में आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर केंद्रीय दुर्गा पूजा समित के अध्यक्ष महेश जायसवाल की अगुवाई में पदाधिकारियों का प्रतिनिधि मंडल उपजिलाधिकारी बल्दीराय से मिलकर दुर्गा पूजा महोत्सव में होने वाली कई समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान उपजिलाधिकारी गामिनी सिंगला ने दुर्गा पूजा समिति के पदाधिकारियों को आश्वासन देते हुए कहा कि सभी समस्याओं का समाधान समया अवधि में ही किया जाएगा। अगामी त्योहार दुर्गा पूजा महोत्सव में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने पायेगी यथासंभव प्रयास किया जायेगा।

आगामी दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर मंगलवार को सभी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की जाएगी,और सभी को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष महेश जायसवाल संरक्षक आचार्य सूर्य भान पांडेय ,मुकेश अग्रहरी,विशाल जायसवाल अमरजीत सिंह,शिवपाल अग्रहरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष बल्दीराय राजधर शुक्ला, सत्येंद्र तिवारी, घनश्याम तिवारी, नरेंद्र अग्रहरी सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की 48 सदस्यीय पुनर्गठित कमेटी जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

लखनऊ। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डा0 इंद्रसेन श्रीवास्तव ने अपनी इकाई का पुनर्गठन किया है जिसमें 3 वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 15 उपाध्यक्ष एवं 22 को सचिव की जिम्मेदारी दी है। पुनर्गठित कमेटी में राकेश श्रीवास्तव (चुनार) को प्रदेश उपाध्यक्ष से कार्यकारी प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी है वहीं प्रदेश सचिव रहे राम प्रकाश श्रीवास्तव (लखनऊ), रतन श्रीवास्तव (गोरखपुर) एवं मनीष श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। प्रदेश अध्यक्ष ने शुक्रवार की शाम को जूम मीटिंग कर संगठन की समीक्षा के बाद पुनर्गठित कमेटी की घोषणा की। जारी सूची में प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश महामंत्री श्याम चंद्र श्रीवास्तव (सुल्तानपुर), कार्यकारी प्रदेश महामंत्री राकेश श्रीवास्तव (चुनार), कोषाध्यक्ष आमोद श्रीवास्तव (लखनऊ), शैलेंद्र श्रीवास्तव (वाराणसी) को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर श्री राजीव रतन लखीमपुर, संजीव सक्सेना बरेली एवं ब्रिज किशोर श्रीवास्तव को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है। देश अध्यक्ष डा0 इंद्रसेन श्रीवास्तव ने सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निभाते हुए महासभा को मजबूत करने का अनुरोध किया है।

डीएम ने दी संस्तुति, बहमरपुर का कोटा लाइसेंस हुआ रद्द

सुल्तानपुर। प्राथमिक विद्यालय के नन्हे मुन्ने बच्चों का राशन डकारने के मामले में जिलाधिकारी ने उचित दर विक्रेता लाइसेंस रद्द करने की संस्तुति प्रदान कर दी है। 187 कुंतल पात्र गृहस्थी और अंत्योदय योजना के राशन में अनियमिता को संज्ञान में लेते हुए लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है।

पूरा मामला कुड़वार थाना क्षेत्र अंतर्गत बहमरपुर ग्राम पंचायत से जुड़ा हुआ है। स्थानीय प्रधान प्रतिनिधि ा एवं भाजपा नेता चिरंजीवी मिश्रा उर्फ मोंटी मिश्रा ने जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना से मिलकर राशन वितरण अनियमित की शिकायत की थी। इसके अलावा ग्रामीणों की तरफ से भी राशन वितरण में गोलमाल करने का आरोप लगाया गया था। बीते 21 जुलाई को सप्लाई इंस्पेक्टर नन्हे सिंह जांच के लिए ग्राम पंचायत पहुंचे। जहां पर पत्र गृहस्थी , अंत्योदय और मध्यान भोजन योजना में बड़े पैमाने पर सरकारी राशन स्टॉक से गायब पाया

गया। सप्लाई इंस्पेक्टर ने पूरे प्रकरण की जानकारी जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश कुमार मौर्य को दी। जिस पर जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना के अनुमोदन के आधार पर तत्काल प्रभाव से कुड़वार थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम का मुकदमा पंजीकृत कराया गया था। जांच पड़ताल के दौरान कोटेदार शारिक हसनैन पुत्र मजहर हसनैन निवासी बहमरपुर थाना क्षेत्र कुड़वार को अनियमितता का प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया था। जिसके आधार पर उचित दर विक्रेता का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया। जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्सना ने कार्रवाई की पुष्टि की है।

मंडलायुक्त ने अयोध्या विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष के साथ किया 14 व 5 कोसी परिक्रमा का निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को मंडलायुक्त गौरव दयाल ने उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण अश्विनी कुमार पांडेय के साथ निर्माणाधीन 14 एवं 5 कोसी परिक्रमा मार्ग पर स्थित प्रमुख चौराहों के साथ साथ मार्ग के प्रारम्भिक स्थलों का निरीक्षण किया।उन्होंने पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के प्रमुख चौराहों यथा–हनुमान गुफा, दीन बन्धु, रामघाट, चूड़ामणि चौराहा सहित अन्य प्रमुख स्थलों के निरीक्षण के दौरान सभी प्रमुख चौराहों के सौन्दर्यीकरण के कार्यो का प्रस्ताव बनाने के निर्देश अयोध्या विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि यथा आवश्यक प्रमुख चौराहों पर आकर्षक स्वागत गेट बनाने के लिए उपलब्ध पर्याप्त भूमि के सम्बंध में पीडब्लूडी के अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुये प्रस्ताव तैयार कराया जाय।उन्होंने कहा कि पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के प्रारम्भिक बिन्दु हनुमान गुफा चौराहे पर एक भव्य स्वागत गेट के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाय। इसी के साथ उन्होंने पंचकोसी एवं 14 कोसी के जंक्शन बिन्दु उदया चौराहे के पास भी आकर्षक गेट बनाने के लिए कहा। मण्डलायुक्त ने निर्माणाधीन पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के निर्माण में आ रही बाधाओं के सम्बंध में पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा सभी बाधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।स्थलीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी प्रभावित व्यक्तियों से संवाद स्थापित करते हुए समन्वय बनाकर बाधाओं को दूर करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी व प्रशासन के अधिकारियों को दिये। निरीक्षण के दौरान सचिव अयोध्या विकास प्राधिकरण सत्येन्द्र कुमार सिंह के अलावा सम्बंधित कार्यदायी विभाग के अभियन्ता व अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे।

रोजगार मेले में 137 को मिली नौकरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं जिला सेवायोजन कार्यालय जौनपुर के संयुक्त तत्वाधान में मिशन रोजगार अभियान के अन्तर्गत निजी नियोजकों के सहयोग से 21 सितम्बर 2024 को 'रोजगार मेला' का आयोजन राजकीय आई0टी0आई0 सिद्दीकपुर जौनपुर में किया गया। मेले में उपस्थित विभिन्न कम्पनियों में प्रतिभागी अभ्यर्थियों की संख्या 323 रही तथा कुल 137 बेरोजगार अभ्यर्थियों का चयन विभिन्न पदों पर किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को जिला सेवायोजन अधिकारी ने नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस अवसर जिला सेवायोजन अधिकारी एवं रा0आई0टी0आई0 के प्राचार्य मनीष कुमार पाल ने बताया कि उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित 'मिशन रोजगार अभियान' के तहत इस मेले का आयोजन किया गया। इसमें युवाओं ने अपनी योग्यता व क्षमता के अनुरूप प्रतिभाग किया तथा रोजगार भी प्राप्त किया। चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए बताया गया कि रोजगार मेले का आयोजन प्रत्येक माह किया जाता रहेंगा। रोजगार मेला प्रभारी शिवकुमार यादव, हरेन्द्र कुमार यादव, आनन्द भूषण त्रिपाठी, जीतलाल मौर्य, रामसनेही, विजय बहादुर आदि उपस्थित रहें।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (उ0प्र0)

पत्रांक – 10981/सा0प्रशा0/2024 दिनांक – 18.09.2024

28वां दीक्षान्त समारोह, 22 सितम्बर, 2024

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 28वां दीक्षान्त समारोह दिनांक – 22 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय के महंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में पूर्वाह्न 10:30 बजे से आयोजित होना सुनिश्चित हुआ है। श्रीमती आनन्दीबेन पटेल, माननीय कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश समारोह की अध्यक्षता करेंगी। डा0 आशुतोष तिवारी, संस्थापक निदेशक, इन्स्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड मटेरियल्स (आई0ए0ए0एम0), स्वीडन समारोह के मुख्य अतिथि, श्री योगेन्द्र उपाध्याय, माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार एवं श्रीमती रजनी तिवारी, माननीय राज्य मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश सरकार विशिष्ट अतिथि होंगे।

विश्वविद्यालय के समस्त सम्मानित आचार्य, उपाचार्य, प्राध्यापक, परिषदों के सम्मानित सदस्य, पदाधिकारियों एवं सम्बन्धित जन दिनांक – 22.09.2024 को पूर्वाह्न 10:30 बजे विश्वविद्यालय के 28वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर सादर आमंत्रित है। निमंत्रण पत्र अलग से प्रेषित किये गये है। पी.एच.डी. उपाधिधारकों तथा सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता छात्र/छात्राओं को पत्र के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। सर्वसम्बन्धित को निमंत्रण पत्र/सूचना पत्र साथ में लाना अनिवार्य है।

कुलसचिव
पूर्वांचल विश्वविद्यालय